Sr. No. 190403 Your Roll No.……

M.A.II / SEM-IV
SANSKRIT – Paper No. - 403
दर्शन : सांख्य एवं मीमांसा
(अर्थसंग्रह, सांख्यकारिका, श्वेताश्वतरोपनिषद्)

Time – 3 Hours Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **अथवा** हिन्दी **अथवा** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

भाग-1/ Part-1

प्रश्न 1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए।

Explain of the following: 7½×2=15

(क) दृष्टवदानुश्रविकः स ह्यविशुद्धिक्षयातिशयुक्तः।

तद्विपरीतः श्रेयान् व्यक्ताव्यक्तज्ञविज्ञानात्।।

अथवा/OR

तस्मात्तत्संयोगादचेतनं चेतनवदिव लिंगम्।

गुणकर्तृत्वेऽपि तथा कर्तेव भवत्युदासीनः।।

(ख) उभयात्मकमत्र मनः संकल्पकमिन्द्रियं च साधर्म्यात्।

गुणपरिणामविशेषान्नानात्वं बाह्यभेदाश्च।।

अथवा/OR

तत्र जरामरणकृतं दुःखं प्राप्नोति चेतनः पुरुषः।

लिंगस्याऽऽविनिवृत्तेस्तस्मात् दुःखं स्वभावेन।।

प्रश्न 2. सांख्य दर्शन के अनुसार 'पुरुष' का विवेचन प्रस्तुत कीजिए।

Present the analysis of 'पुरुष' according to Sāṃkhya Philosophy. 10

अथवा/OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following:

अनुमान प्रमाण, मूलप्रकृति, अहंकार, भौतिक सर्ग, जीवन्मुक्ति एवं विदेहमुक्ति

भाग-2/ Part-2

प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रत्येक अन्विति से एक-एक मन्त्र की व्याख्या कीजिए, जिनमें से **एक संस्कृत** में हो :

Explain one Mantra from each unit of the following, out of which **one** should be written in Sanskrit. 6×2=12

अन्विति-1 (Unit-1)

(क) ते ध्यानयोगानुगता अपश्यन्

देवात्मशक्तिं स्वगुणैर्निगूढाम्।

यः कारणानि निखिलानि तानि

कालात्मयुक्तान्यधितिष्ठत्येकः।।

(ख) त्रिरुन्नतं स्थाप्य समं शरीरं

हृदीन्द्रियाणि मनसा संनिवेश्य।

ब्रह्मोडुपेन प्रतरेत विद्वान्
स्रोतांसि सर्वाणि भयावहानि।।

अन्विति-2 (Unit-2)

(क) वेदाहमेतं पुरुषं महान्त-
मादित्यवर्णं तमसः परस्तात्।
तमेव विदित्वाति मृत्युमेति
नान्यः पन्था विद्यतेऽयनाय।।

(ख) द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया
समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्त्य-
नश्नन्नन्यो अभिचाकशीति।।

प्रश्न 4. श्वेताश्वतर उपनिषद् के अनुसार त्रिविध ब्रह्म का निरूपण कीजिए।

Describe the Trividha Brahma according to Śvetāśvatara Upaniṣad. 8

अथवा/OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any **two** of the following:
योगविधि, संसारनदी, देवात्मशक्ति, मोक्ष के उपाय

प्रश्न 5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए :

Explain any **two** of the following with reference to the context: 7½×2=15

(क) वेदस्य सर्वस्य धर्मतात्पर्यवत्त्वेन प्रतिपादकत्वात्।

(ख) प्रयोगसमवेतार्थस्मारका मन्त्राः।

(ग) पुरुषस्य निवर्तकं वाक्यं निषेधः।

(घ) यत्र तूभयमप्राप्तं तत्र विशिष्टं विधत्ते।

प्रश्न 6. अर्थसंग्रह के अनुसार अधिकार-विधि का निरूपण कीजिए।

Describe Adhikar-Vidhi according to Arthasangraha. 10

अथवा/OR

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following:

(क) प्रयोगविधि (ख) शाब्दी भावना

(ग) विनियोगविधि (घ) अर्थवाद

(ङ) नामधेय